एमबीए में हैं अपार संभावनाएं

इक्फाई विवि की ओर से अंतरराज्यीय महाविद्यालय क्विज आयोजित

जागरण संवाददाता, रांची : इक्फाई विवि झारखंड ने बुधवार को 2014 सत्र के एमबीए पाठ्यक्रम का विमोचन किया। मौके पर उपस्थित शिक्षकों और अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए इक्फाई विवि के वीसी प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा कि एमबीए की पढ़ाई छात्रों के भविष्य के लिए अच्छा है।

अगले पांच वर्षों में बैंकों में बढ़ते अवसर को देखते हुए विवि ने एमबीए के पाठ्यक्रम में आठ ऐच्छिक विषयों को जोड़ा जाएगा। वहीं सभी छात्रों को इंटर्नशिप के लिए उद्योगों और बैंकों में भेजा जाता है।

इस अवसर पर अंतरराज्यीय महाविद्यालय क्विज का आयोजन हुआ। इसमें प्रतियोगिता में रांची महिला कॉलेज, रांची कॉलेज, संत पॉल कॉलेज, डोरंडा कॉलेज आदि के 80 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में रांची कॉलेज के अंकित नंदन, नीतेश कुमार को प्रथम स्थान, योगदा सत्संग महाविद्यालय के नीतीश कुमार और हर्षवर्धन को द्वितीय और जेएन कॉलेज की दिव्या कुमारी और सौरव कुमार को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

रांची विवि के प्रोवीसी प्रोफेसर रजीउद्दीन ने छात्रों ने उन्नत शिक्षा देने के लिए विवि के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम को प्रोफेसर एससी गुप्ता और प्रोफेसर अशोक कुमार चौधरी ने भी संबोधित किया। विवि के बोर्ड ऑफ गर्वनर के सदस्य डॉ. केके नाग ने छात्रों को अपने प्रयास से अच्छा भविष्य बनाने की सलाह दी। वहीं एमबीए पाठ्यक्रम की व्याख्या करते हुए इक्फाई विवि के रजिस्ट्रार डॉ. वीएम सिंह ने कहा कि यूनिवर्सिटी झारखंड डोमिसाइल के छात्रों के फीस में कटौती करती है। साथ ही, मेधावी छात्र-छात्राओं को फीस में छूट भी देती है। मौके पर फैकेल्टी ऑफ मैनेजमेंट साइंस के सह डीन प्रो.एएस प्रसाद, फैकेल्टी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सह डीन प्रो. मदन प्रसाद समेत अन्य शिक्षक और पदाधिकारी थे।

रांची विवि के वीसी व प्रोवीसी के साथ अंतरराज्यीय महाविद्यालय क्विज के पुरस्कृत बच्चे।